एक्सप्रेसवे के ठेकेदारों व इंजीनियरों को वर्क कल्चर बदलने की नसीहत

यूपीडा चेयरमैन बोले- हर एक्सप्रेसवे के अनुभव का इस्तेमाल नए प्रोजेक्ट में करें

लखनऊ। एक्सप्रेसवे की क्वालिटी पहली ही बार में विश्वस्तरीय बनाने के लिए यूपीडा से जुड़े कॉन्ट्रैक्टर्स को काम करने के तरीके में बदलाव की नसीहत चेयरमैन मनोज कुमार सिंह ने दी है। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उदाहरण देते हुए उनसे कहा गया है कि बोनस के साथ राइडिंग क्वालिटी बेहतर करने के लिए अभियान चलाना तर्कसंगत नहीं है। दुनियाभर के देशों के इंजीनियर यूपी केवल हमारी क्षमताओं को देखने आ रहे हैं। ऐसे में एक ही बार में राइडिंग क्वालिटी सर्वश्रेष्ठ बनाना होगा।

यूपी को एक्सप्रेसवे स्टेट बनाने में उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथारिटी (यूपीडा) की एक तरफ तारीफ हो रही है तो दूसरी तरफ इसे और बेहतर करने के लिए कवायद की जा रही है। यूपीडा चेयरमैन ने कहा कि प्राधिकरण के कामकाज की वजह से एक्सप्रेसवे की चर्चा देश-दुनिया में है। इसे लगातार बेहतर करने की जरूरत है। इसके लिए एक एक्सप्रेसवे के अनुभवों का लाभ दूसरे एक्सप्रेसवे पर दिखना चाहिए, जो अभी नहीं दिख रहा है।

उन्होंने यूपीडा के इंजीनियरों से 'चलता है' के वर्क कल्चर से उबरने की सीख दी। कहा कि कई जगह जरूरत से ज्यादा श्रमिक साइट पर मौजूद हैं। ज्यादा भीड़ से गुणवत्ता बेहतर नहीं होती। इसे समझने की जरूरत है। काम करने का नजरिया बदलना होगा। उन्होंने इंजीनियरों को फील्ड में मुस्तैद रहने के भी फायदे बताए। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे पर हर लेयर पर अलग मिट्टी की जरूरत होती है। पहली लेयर और ऊपरी लेयर की मिट्टी महंगी होती है। इसे देखने और जांच के लिए मौके पर मौजूद रहना जरूरी है। ब्यूरो